हिन्दुस्तान

epaper हिन्दुस्तान

Share | Copy url | Save | Font Size | D'load Image | Image | Text | Listen

बुलंदशहर में मंगलवार को सब्जियों के उत्पादन की जानकारी देते दिल्ली से आए कृषि वैज्ञानिक। ● हिन्दुस्तान

वैज्ञानिकों ने सब्जी उत्पादन के सिखाए गुर

बुलंदशहर, संवाददाता। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए राष्ट्रीय कृषि आर्थिक नीति अनुसंधान संस्थान की ओर से महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम की शुरुआत की गई। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की ओर से आए कृषि वैज्ञानिक डॉ. रजनी जैन, दिलीप कुमार, मंगल सिंह चौहान और अरविंद कुमार द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में प्रवक्ता के रूप में कृषि विज्ञान केंद्र बुलंदशहर के मौसम वैज्ञानिक डॉ रामानंद पटेल ने शिरकत की। मंगल सिंह चौहान ने सब्जी बीज की जानकारी दी। दिलीप कुमार ने सब्जी उगाने के तरीकों के बारे मे बताया। रजनी जैन व रामानंद पटेल ने मौसम पूर्वानुमान की जानकारी सब्जी उत्पादन में महत्व के बारे में बताया। उन्होंने मोबाइल एप्लीकेशन जैसे मेघदूत और दामिनी के बारे में बताया। इस मौके पर विनोद कुमार सिंह, महेंद्र राजवीर सिंह, विजय कुमार, किरोड़ी बाबू, नीरज कुमार आदि किसान रहे।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्यक्रम की शुरुआत की गई

बरनदूत संवाददाता।

बुलन्दशहर। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद दिल्ली के राष्ट्रीय कृषि आर्थिक नीति अनुसंधान संस्थान की ओर से महिला सशक्तिकरण के लिए कार्यक्रम की शुरुआत की गई। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की ओर से आए कृषि वैज्ञानिक डॉ रजनी जैन , दलीप कुमार , मंगल सिंह चौहान एंव अरविंद कुमार द्वारा इस कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

इस कार्यक्रम में प्रवक्ता के रूप में कृषि विज्ञान केंद्र बुलंदशहर के मौसम वैज्ञानिक डॉ रामानंद पटेल ने शिरकत की। मंगल सिंह चौहान ने कार्यक्रम की शुरुआत की एंव सब्जी बीज की जानकारी दी। दिलीप कुमार ने सब्जी उगाने के तरीकों के बारे मे बताया और आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल के लिए जागरूक किया। रजनी जैन ने सरकार द्वारा संचालित कार्यकम के बारे में जानकारी दी एंव महिलाओं को खेती से अन्य कार्य संबंधी विभिन्न जानकारियां देकर उनको आत्मनिर्भर बनाने की केंद्र सरकार की कोशिश के बारे में बताया। रामानंद पटेल ने मौसम की जानकारी दी एंव मौसम पूर्वानुमान की जानकारी सब्जी उत्पादन में महत्व के बारे में बताया।

उन्होंने मोबाइल एप्लीकेशन जैसे मेघदूत और दामिनी के बारे में बताया। गांव के किसान विनोद कुमार सिंह, महेंद्र राजवीर सिंह इत्यादि ने अपने खेतों में कीड़ा संबंधित और पानी संबंधित समस्याओं को भी बताया तथा कृषि विशेषज्ञों ने उसका समाधान किया यह बहुत ही सराहनीय कार्यक्रम है तथा इसमें महिलाओं को बढ़–चढ़कर भाग लेना चाहिए। विजय कुमार, किरोड़ी बाबू, नीरज कुमार, गांव के सरपंच एंव 50–60 किसानों ने मिलकर इस कार्यक्रम को सफल बनाया।

पदाधिकारी मौजूद रहे।

विशेषज्ञों ने सब्जी उत्पादन की जानकारी दी

बुलंदशहर : राष्ट्रीय कृषि आर्थिक नीति अनुसंधान संस्थान की ओर से महिला सशक्तिकरण की ओर कदम बढ़ाया जा रहा है। इसके चलते रायपुर तालाब गांव में विशेषज्ञों ने महिलाओं के सब्जी उत्पादन करना सिखाया। साथ ही मौसम के पूर्वानुमान की जानकारी करके खेती-किसानी करके के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम की शुरुआत अनुसंधान परिषद की कृषि वैज्ञानिक डा. रजनी जैन, दिलीप कुमार, मंगल सिंह चौहान, अरविंद कुमार ने की। डा. रजनी जैन ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ उठाकर अन्य कार्यों के साथ महिलाएं खेती करके आत्मनिर्भर बन सकती हैं। मंगल सिंह चौहान ने सब्जी बीज की जानकारी दी।

दिलीप कुमार ने सब्जी उत्पादन की आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल पर जोर दिया। मुख्य प्रवक्ता एवं कृषि विज्ञान केंद्र-बुलंदशहर के मौसम वैज्ञानिक डा. रामानंद पटेल ने कहा कि मोबाइल में मेघदूत और दामिनी एप डाउनलोड करके मौसम का पूर्वानुमान पता किया जा सकता है। यह जानकारी प्राप्त कर खेती-किसानी करना फायदेमंद रहता है।

किसान विनोद कुमार सिंह व महेंद्र राजवीर सिंह आदि ने फसलों में कीट लगने की समस्या बताई, जिन्हें समस्या का समाधान बताया गया। इस दौरान विजय कुमार, किरोड़ी बाबू, नीरज कुमार व गांव के सरपंच आदि मौजूद रहे।

रायपुर तालाब गांव में राष्ट्रीय कृषि आर्थिक नीति अनुसंधान संस्थान की ओर से आयोजित कार्यक्रम में मौजूद विशेषज्ञ व ग्रामीण • सौ. कृषि विज्ञान केंद्र